गोरखपुर, 30 सितम्बर,2022

शारदीय नवरात्र के पांचवे दिन शुक्रवार को प्रातः काल जगतजननी आदिशक्ति मां दुर्गा के पंचम स्वरूप में मां स्कंदमाता देवी का विधि विधान से पूजन अर्चन किया ।

मां स्कंदमाता की गोद में भगवान स्कन्द बाल रूप में विराजित हैं। स्कंद मातृस्वरूपिणी देवी की चार भुजाएं हैं। मां का वर्ण पूर्णत: शुभ्र है और कमल के पुष्प पर विराजित रहती हैं। इन्हें विद्यावाहिनी दुर्गा देवी भी कहा जाता है। मां कमल के पुष्प पर विराजित अभय मुद्रा में होती हैं इसलिए इन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है।

स्कंदमाता की पूजा आराधना गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में प्रातःकाल में 4.00 से 6.00 बजे तक एवम सायंकाल में समस्त अनुष्ठान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने किया। इसके साथ ही गोरखनाथ मंदिर के दुर्गा मंदिर (शक्तिपीठ) के गर्भगृह में श्रीमद् देवीभागवत का पाठ एवं श्रीदुर्गासप्तशती के पाठ का भी जारी रहा।

दोनों समय में गौरी-गणेश की आराधना के साथ सभी देव-विग्रहों का षोडषोचार भी पूजन किया । आरती एवं क्षमा प्रार्थना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया । समस्त अनुष्ठान मंदिर के मुख्य पुरोहित पंडित रामानुज त्रिपाठी की उपस्थिति में संपन्न हुए ।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज कि चरण पादुका का हुआ पूजन पावन शारदीय नवरात्र के पांचवे दिन गोरखनाथ मंदिर में एक विशेष अनुष्ठान के क्रम में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की चरण पादुका का पूजन योगी कमलनाथ जी ने किया ।

आरती में संस्कृत विद्यापीठ के 151 छात्रों , पुरोहितों एवं आचार्यगण के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान पूर्ण किया।
इस अवसर पर, द्वारिका तिवारी, डॉ अरविन्द चतुर्वेदी, डॉ रोहित मिश्र, पुरुषोत्तम चौबे, दुर्गेश बजाज, विनय गौतम, शुभम मिश्र, शशांक पाण्डेय, आदि उपस्थित रहे।